Email : ideacitinews@gmail.com

एक नये कल के लिए एक नई आवाज

www.ideacitinews.com



आइडियासिटी

वर्ष : 5, अंक : 316

रविवार, 22 नवंबर, 2026



पीएम मोदी ने किया 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन, बिहार को 34,470 करोड़ की 227 विकास योजनाओं की दी सौगात

वैशाली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वैशाली में गंगा नदी पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन किया. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार के नाम पर इस पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखा गया है. वहीं इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को विकास की बड़ी सौगात देते हुए 21 विभागों की कुल 227 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. इन योजनाओं की कुल लागत 34,470 करोड़ रुपये से अधिक है. विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी इन परियोजनाओं को बिहार के विकास, आधारभूत संरचना, कनेक्टिविटी और जनसुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है.



आइडियासिटी संवाददाता





पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को लगाया गले

उद्घाटन के मौके पर पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को गले लगाकर उनका अभिवादन किया. इसके बाद पुल पर टहलते हुए गमछा लहराया और वहां मौजूद लोगों का अभिवादन स्वीकार किया. पुल के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने हाथ हिलाकर और गमछा लहराकर जनसमूह का अभिवादन किया. उनके साथ कार में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी मौजूद थे. कार्यक्रम स्थल पर प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे थे. उनके पहुंचते ही लोगों में उत्साह देखने को मिला और भीड़ ने जोरदार स्वागत किया.

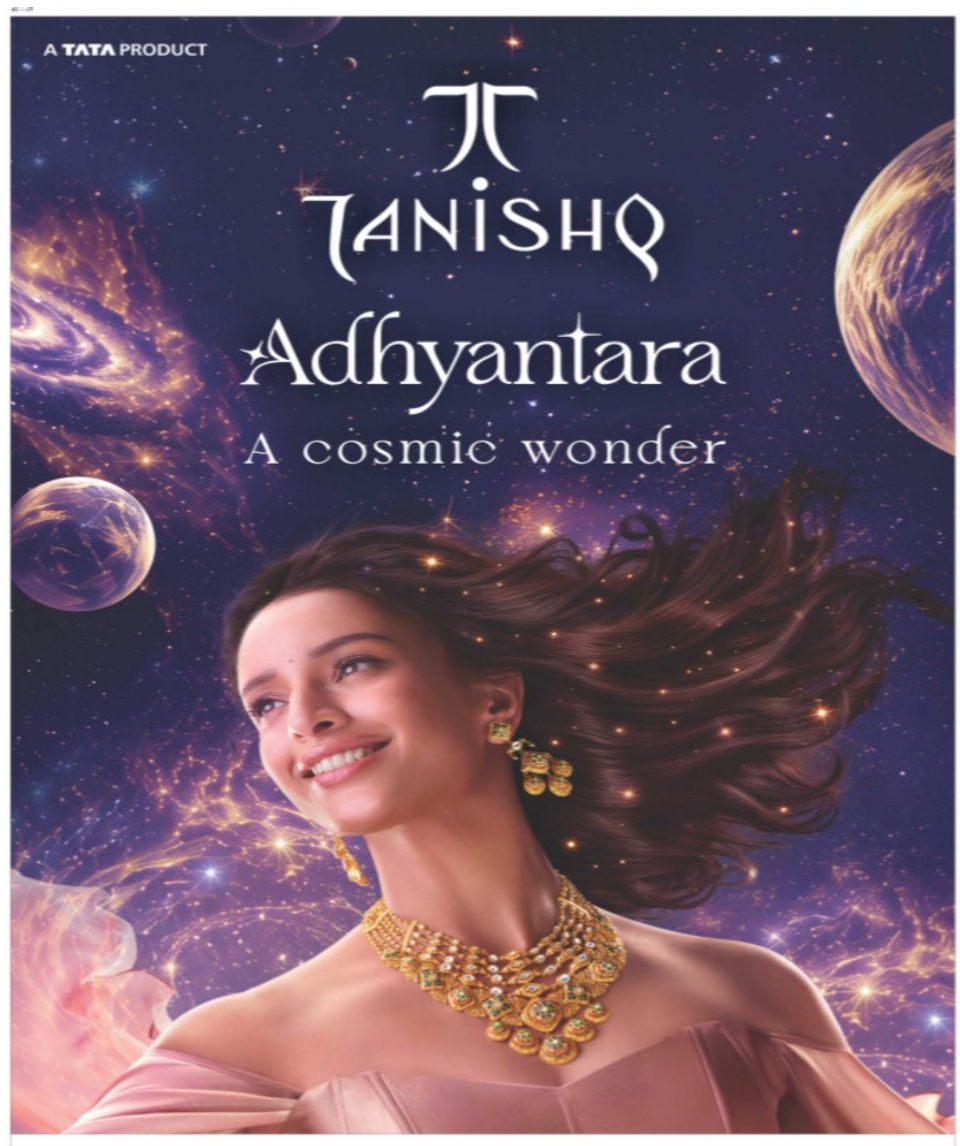
PM मोदी ने बिहार की धरती से ऐसा क्या कहा कि झूम उठे सभी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को लोकतंत्र की धरती वैशाली में 34,470 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया. पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार का एक साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है और इसी के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित की गई है. इस दौरान लोगों का उत्साह देखकर नरेंद्र मोदी काफी खुश नजर आए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच से बिहारवासियों का अभिनंदन किया. उन्होंने कहा कि इतना विशाल जन समुदाय मैं नहीं मानता हूं कि कैमरा में कैद हो पायेगा. विकास के प्रति जागृति का यह जीता जागता सबूत है. लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न हुआ है. हमारी माताओं और बहनों ने कठिन निर्जला व्रत करके परिवार, समाज और जगत के मंगल की कामना की है. अब छठी मैया के आशीर्वाद से हम यहां विकास का पर्व मना रहे हैं. बिहार की इस विकास यात्रा में हम सबका साथ सबका विकास का मंत्र लेकर आगे बढ़े हैं. हमने लोकतंत्र की ताकत को जन कल्याण का माध्यम बनाया है. और इसलिए आज एनडीए सरकार इस कार्यकाल का 1 साल पूरा कर रही है. तो इस आयोजन के लिए लोकतंत्र की महान धरती वैशाली को चुना गया है.

'नीतीश कुमार ने वर्षों तक की बिहार की सेवा'

पीएम मोदी ने नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि नीतिश जी ने इतने वर्षों तक मुख्यमंत्री के तौर पर बिहार की सेवा की. अब नीतीश जी के आशीर्वाद से इस अभियान को सम्राट चौधरी जी और उनकी पूरी टीम आगे बढ़ा रही है. इसी क्रम में आज यहां भी हज़ारों करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ. उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे मित्र राम विलास जी की आत्मा जहां भी होगी, वो भी हम पर फूलों की वर्षा करती होगी. क्योंकि उनके सपनों को भी हम साकार कर रहे हैं. गंगा मैया पर बने दरगाह बिदुपुर 6 लेन केबल ब्रिज को जनता के लिए समर्पित किया गया है.



बिहार में उद्योगों की लगेगी बड़ी छलांग ! 2.25 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों से बदलेगी आर्थिक तस्वीर

ऊर्जा क्षेत्र में भी हजारों करोड़ की तैयारी

आइडियासिटी संवाददाता



पटना । बिहार की औद्योगिक तस्वीर बदलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य में उद्योग एवं ऊर्जा क्षेत्र के लिए करीब 2.25 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं। राजधानी पटना में आयोजित उद्यमियों से संवाद एवं एमओयू एक्सचेंज समारोह में विभिन्न कंपनियों और निवेशकों के साथ प्रस्तावित परियोजनाओं को लेकर समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। इसे बिहार में औद्योगिक निवेश और रोजगार के नए अवसरों की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने निवेशकों से बिहार पर भरोसा जताते हुए राज्य में उद्योग स्थापित करने और विकास यात्रा का भागीदार बनने की अपील की। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस पहल में सरकार ने निवेशकों को अनुकूल वातावरण, संसाधन, कुशल मानवबल और बड़े बाजार की उपलब्धता का भरोसा दिलाया। उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने कहा कि सरकार निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना और नीतिगत सहयोग उपलब्ध कराएगी। प्रस्तावों में आईटी, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। CTRLS, Ramky Group, SAEL Industries और Rashmi Metallurgical Industry जैसी कंपनियों ने भी रुचि दिखाई है। सबसे बड़ा आकर्षण ऊर्जा क्षेत्र है, जहां करीब 1,72,885 करोड़ रुपये के प्रस्ताव आए हैं। इनमें 6,000 मेगावाट क्षमता की चार पंप्ड स्टोरेज परियोजनाएं तथा बांका और सीवान में प्रस्तावित परमाणु ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं।

सरकार को उम्मीद है कि इन परियोजनाओं से रोजगार, कौशल विकास और स्थानीय कारोबार को गति मिलेगी। बिहार बिजनेस कनेक्ट 2027 के जरिए निवेश के अवसरों को और व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने की तैयारी है।

नीतीश कुमार के नाम पर हुआ 6 लेन पुल का नामकरण

निशांत कुमार बोले- पिता के 20 वर्षों के विकास कार्यों का सम्मान है 'नीतीश सेतु'

आइडियासिटी संवाददाता





पटना/वैशाली । बिहार की राजनीति और विकास की कहानी में शनिवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। गंगा पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन पुल को अब 'नीतीश सेतु' के नाम से जाना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैशाली में इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लोकार्पण किया। वहीं, पुल का नाम पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर रखे जाने को उनके लंबे राजनीतिक और विकासात्मक योगदान के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। इस मौके पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उनके पिता और बिहार के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार के विजन, मार्गदर्शन और राज्य के विकास में दिए गए योगदान का सम्मान है। यह पुल नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है और इसके नामकरण से उनके करीब 20 वर्षों के विकास कार्यों को सम्मान मिला है। निशांत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री के रूप में शुरुआत से ही सड़क, पुल और पुलियों के निर्माण को प्राथमिकता दी। उनके कार्यकाल में बिहार के शहरी इलाकों से लेकर गांवों तक सड़क संपर्क का विस्तार हुआ। बेहतर कनेक्टिविटी को विकास की बुनियादी जरूरत मानते हुए उन्होंने आधारभूत संरचना को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि 'नीतीश सेतु' उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच सिर्फ आवागमन का रास्ता नहीं, बल्कि विकास का नया सेतु बनेगा। इससे उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कारोबार और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही बिहार में औद्योगिक गतिविधियों और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। गौरतलब है कि करीब 19.7 किलोमीटर लंबा यह पुल लगभग 4,280 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है। इसके चालू होने से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन पहले से अधिक सुगम होगा। निशांत कुमार ने इस दूरदर्शी परियोजना को जमीन पर उतारने के लिए नीतीश कुमार का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि मजबूत आधारभूत संरचना और आधुनिक कनेक्टिविटी के सहारे बिहार विकास एवं समृद्धि के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। 'नीतीश सेतु' इसी बदलते बिहार की एक महत्वपूर्ण पहचान बनेगा।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले जदयू की बड़ी तैयारी ! श्रवण कुमार को मिली अहम जिम्मेदारी

राजगीर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

आइडियासिटी संवाददाता



राजगीर । उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर जनता दल यूनाइटेड ने अपनी राजनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री तथा जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाए जाने के बाद पार्टी संगठन में उत्साह देखा जा रहा है। शनिवार को उत्तर प्रदेश से आए जदयू पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राजगीर सर्किट हाउस पहुंचकर उनसे मुलाकात की और नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। इस दौरान पार्टी नेताओं ने उम्मीद जताई कि श्रवण कुमार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जदयू का संगठन और मजबूत होगा तथा आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने श्रवण कुमार को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले एक नवंबर को वाराणसी के करौता स्थित रामलीला मैदान में जदयू का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्रवण कुमार उत्तर प्रदेश पहुंचे थे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क किया और बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी थी। इस सम्मेलन में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार भी शामिल हुए थे। राजगीर में मुलाकात करने वालों में उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक हरिराम चेरो, प्रदेश महासचिव हरिशंकर पटेल, अभिषेक कुमार राय, विनय श्रीवास्तव, सुनील पटेल और ओम हरि नारायण शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। नेताओं ने विश्वास जताया कि श्रवण कुमार की संगठनात्मक क्षमता से उत्तर प्रदेश में पार्टी को नई मजबूती मिलेगी।

पशुपालन : बिहार के 9.18 लाख परिवार बकरी पालन से जुड़े

आइडियासिटी संवाददाता



पटना । अब बिहार के गांवों में कमाई का मतलब सिर्फ खेती-किसानी तक सीमित नहीं रह गया है। बकरी पालन, मुर्गी पालन, डेयरी और मत्स्य पालन जैसी गतिविधियां ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ाने का नया जरिया बन रही हैं। खासकर ग्रामीण महिलाओं के लिए ये व्यवसाय आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह खोल रहे हैं। जीविका के माध्यम से राज्य में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में अब तक 9.18 लाख परिवार बकरी पालन से जुड़ चुके हैं। इन परिवारों को पशुओं के स्वास्थ्य और देखभाल में मदद पहुंचाने के लिए 8,992 प्रशिक्षित पशु सखियां कार्यरत हैं। ये पशु सखियां गांवों में पशुपालकों को प्राथमिक उपचार, पोषण और पशुओं के बेहतर रखरखाव की जानकारी देती हैं। वहीं, 2.50 लाख परिवार पोल्ट्री व्यवसाय, 1.98 लाख परिवार डेयरी और 751 परिवार मत्स्य पालन से अपनी आजीविका मजबूत कर रहे हैं। इसका सीधा फायदा यह है कि ग्रामीण परिवारों को अब अपनी पूरी आमदनी के लिए केवल कृषि पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। पशुपालन से जुड़ी समस्याओं के समाधान और जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्य के सभी 38 जिलों में अब तक 1,108 पशु स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर लगाए जा चुके हैं। ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। सरकार का उद्देश्य जीविका के जरिए जरूरतमंद परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उन्हें आय के नए अवसर उपलब्ध कराना है। आने वाले समय में पशुपालन ग्रामीण आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनेगा।

पीएम श्री का तमगा, लेकिन पढ़ाई के लिए कमरे और शिक्षक तक नहीं !

10 कमरों में 1808 विद्यार्थी, इंटर के 532 बच्चों पर सिर्फ 3 शिक्षक

आइडियासिटी संवाददाता



बेगूसराय। सरकारी स्कूलों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र बनाने के दावों के बीच तेघड़ा प्रखंड के पीएम श्री विशेश्वर राष्ट्रीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की हकीकत चिंताजनक है। एक अप्रैल 2025 को पीएम श्री का दर्जा मिलने के बावजूद विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं और शिक्षकों की भारी कमी है। महज 10 वर्ग कक्षों में 1808 विद्यार्थियों की पढ़ाई हो रही है। जगह के अभाव में एक कमरे में 70 से 90 बच्चों को बैठना पड़ रहा है। पीएम श्री का दर्जा मिलने के बाद कक्षा छह से आठ तक की पढ़ाई भी शुरू हुई, लेकिन नियमित शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हुई। इन कक्षाओं में 247 विद्यार्थी हैं। वहीं, नौवीं और दसवीं के 1030 विद्यार्थियों के लिए 12 शिक्षक कार्यरत हैं। सबसे गंभीर स्थिति इंटरमीडिएट की है। 11वीं और 12वीं के 532 विद्यार्थियों की पढ़ाई की जिम्मेदारी महज तीन शिक्षकों पर है। विज्ञान, इतिहास, भूगोल, गृह विज्ञान और राजनीति शास्त्र जैसे महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।

विद्यालय में 16 कंप्यूटर और इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी तो है, लेकिन कंप्यूटर शिक्षक नहीं होने से तकनीकी शिक्षा का लाभ नहीं मिल रहा। शिक्षक प्रकोष्ठ तक का अभाव है। ऐसे में सवाल है कि पर्याप्त कमरे और विषयवार शिक्षक के बिना पीएम श्री विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सपना कैसे पूरा होगा?



बिहार के 7 लाख प्रवासी मजदूरों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार

हादसे में मौत या दुर्घटना पर परिवार को आर्थिक मदद, 10 शहरों में खुलेंगे सहायता केंद्र

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । रोजगार की तलाश में बिहार छोड़कर दूसरे राज्यों में काम करने वाले लाखों श्रमिकों के लिए सरकार ने सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण की दिशा में बड़ी पहल की है। अब तक करीब 7 लाख प्रवासी श्रमिकों का डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जा चुका है। इसके साथ ही दूसरे राज्यों में काम करने वाले बिहार के मजदूरों की समस्याओं के समाधान, कानूनी सहायता और आपातकालीन मदद के लिए 10 नए शहरों में प्रवासी श्रमिक कल्याण केंद्र खोलने की तैयारी है। श्रम संसाधन विभाग के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिहार प्रवासी दुर्घटना अनुदान योजना के तहत अब तक 276 लाभार्थियों को करीब 9 करोड़ 66 लाख रुपये की सहायता दी गई है। यह राशि सीधे लाभार्थियों या उनके आश्रितों के बैंक खातों में भेजी गई है। वहीं, दूसरे राज्यों में असमय मृत्यु का शिकार होने वाले श्रमिकों के पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक उनके गांव तक पहुंचाने और अन्य आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक 303 प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों को इसका लाभ मिला है। फिलहाल नई दिल्ली स्थित बिहार भवन और बेंगलुरु में प्रवासी श्रमिक सहायता केंद्र संचालित हैं। इस व्यवस्था का विस्तार करते हुए बिहार के बाहर 10 प्रमुख शहरों के साथ राज्य के भीतर भी नए केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। बिहार प्रवासी कामगार पोर्टल पर पंजीकृत सात लाख श्रमिकों का डेटा उनकी स्किल मैपिंग और रोजगार की ट्रैकिंग में मदद करेगा। भविष्य में इनके बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की भी तैयारी है। इस पहल से प्रवासी मजदूरों को संकट के समय सहायता के साथ दीर्घकालिक सुरक्षा देने का लक्ष्य रखा गया है।

महिला और युवा वोटरों पर एसडीएम की नजर

तेघड़ा में बूथों का औचक निरीक्षण, बोले- कोई भी पात्र मतदाता सूची से नहीं छूट

`आइडियासिटी संवाददाता



बेगूसराय । मतदाता सूची में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। शनिवार को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के पहले विशेष अभियान दिवस पर तेघड़ा के एसडीएम सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी नीरज सिन्हा ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर पंजीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने उमर उच्च विद्यालय स्थित बूथ संख्या 43, 44, 45 और 46 पर पहुंचकर बीएलओ की उपस्थिति, प्रपत्र संग्रह और मतदाता पंजीकरण की स्थिति जांची। सभी बीएलओ अपने केंद्रों पर मौजूद मिले। एसडीएम ने निर्देश दिया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं और पात्र महिलाओं का नाम प्राथमिकता के आधार पर मतदाता सूची में जोड़ा जाए। इसके लिए बीएलओ को घर-घर संपर्क अभियान चलाने को कहा गया। उन्होंने बताया कि 22 नवंबर, 5 दिसंबर और 6 दिसंबर को भी विशेष अभियान दिवस आयोजित होंगे। इन दिनों मतदाता अपने बूथ पर जाकर नाम जांच सकते हैं। नाम नहीं होने पर प्रपत्र-6 भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

गया में 23 से 25 नवंबर तक लगेगा विशेष कैंप, मुफ्त जांच के साथ ट्राईसाइकिल मरम्मत का भी मिलेगा सहारा

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । बैटरी चालित ट्राईसाइकिल पर निर्भर दिव्यांगजनों के लिए राहत भरी खबर है। ट्राईसाइकिल में तकनीकी खराबी आ गई है या बैटरी और अन्य उपकरण ठीक से काम नहीं कर रहे हैं तो अब उन्हें मरम्मत के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। गया जिले में 23 से 25 नवंबर तक विशेष सर्विस कैंप आयोजित किया जा रहा है। यहां दिव्यांगजनों की ट्राईसाइकिल की तकनीकी जांच और खराबियों को दूर करने में मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना (संबल) के तहत एलिम्को की ओर से जिले के तीन बुनियाद केंद्रों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में ट्राईसाइकिल के विभिन्न हिस्सों की जांच होगी। बैटरी, मोटर और अन्य उपकरणों में खराबी आने पर मरम्मत के साथ संबंधित समस्याओं के समाधान की जानकारी भी दी जाएगी।

खास बात यह है कि जिन दिव्यांगजनों की ट्राईसाइकिल अभी वारंटी अवधि में है, उन्हें खराब पार्ट्स और उपकरण बदलवाने की प्रक्रिया भी समझाई जाएगी। वहीं, वारंटी समाप्त होने के बाद किसी पार्ट्स को खरीदने की जरूरत पड़ने पर उसकी प्रक्रिया के संबंध में भी मार्गदर्शन मिलेगा। प्रशासन की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, 23 नवंबर को बुनियाद केंद्र खिजरसराय, 24 नवंबर को बुनियाद केंद्र बेलागंज और 25 नवंबर को बुनियाद केंद्र शेरघाटी में कैंप लगाया जाएगा।

तीनों दिन सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक शिविर संचालित होगा। संबंधित दिव्यांगजनों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तारीख पर अपने नजदीकी बुनियाद केंद्र पहुंचें और इस सुविधा का लाभ उठाएं। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों की आवागमन संबंधी परेशानी कम करना और उनकी बैटरी चालित ट्राईसाइकिल को दोबारा सुचारू रूप से उपयोग के योग्य बनाना है।

बराबरी पर खत्म हुआ मुकाबला, खगड़िया में फुटबॉल को मिलेगी नई रफ्तार

रेलवे मैदान में अब हर सप्ताह दो दिन होगा अभ्यास मैच

आइडियासिटी संवाददाता



खगड़िया । ग्रामीण प्रतिभाओं को फुटबॉल में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मानसी प्रखंड के रेलवे मैदान में रविवार को शहीद धन्ना माधव फुटबॉल क्लब, मानसी और जवाहर टोला महेशखूंट के बीच अभ्यास मैच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच का उद्घाटन जिला फुटबॉल संघ के सचिव शंकर सिंह, कार्यकारिणी सदस्य ललित कुमार मिश्रा और बिहार रेफरी कैलाश पंडित ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य निर्णायक की भूमिका अंजली कुमारी ने निभाई। इस पहल का उद्देश्य बिहार स्तरीय फुटबॉल खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक अंजली कुमारी के मार्गदर्शन में स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारना है। इसके तहत रेलवे मैदान में अब प्रत्येक सप्ताह दो दिन अभ्यास मैच आयोजित किए जाएंगे। ललित कुमार मिश्रा ने इसे फुटबॉल के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि जल्द ही जिलाधिकारी से मिलकर जिले की प्रत्येक पंचायत में फुटबॉल कोच की व्यवस्था करने की मांग की जाएगी, ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को नियमित प्रशिक्षण मिल सके।

नशे से दूर रहकर शतरंज की चाल सीखेंगे बच्चे

अमनी मध्य विद्यालय में जागरूकता अभियान, खेल के जरिए बताया बेहतर भविष्य का रास्ता

आइडियासिटी संवाददाता



मंजू कुमारी, शिक्षक नवनीत कुमार, विशाल कुमार और पूर्व मुखिया प्रमोद कुमार सिंह सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

खगड़िया । नशे की लत जिंदगी बर्बाद कर सकती है, जबकि खेल भविष्य संवार सकता है। इसी संदेश के साथ मानसी प्रखंड के अमनी मध्य विद्यालय में शनिवार को नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत बच्चों को नशे के दुष्परिणाम बताने के साथ शतरंज का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम कुमार यशवंत ने किया। उन्होंने कहा कि नशा शरीर और मस्तिष्क दोनों को नुकसान पहुंचाता है। बच्चों को इससे दूर रहकर समाज में भी जागरूकता फैलानी चाहिए। उन्होंने पढ़ाई के साथ खेलों को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि शतरंज से एकाग्रता, तार्किक सोच और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने खेलों को प्रोत्साहित करने में जिलाधिकारी विक्रम विरकर सहित प्रशासनिक अधिकारियों के योगदान की सराहना की। मौके पर प्रधानाध्यापिका

पहली पारी में 66 रन, दूसरी में 193... बिहार को पंजाब ने पारी और 120 रन से रौंदा, विजय मर्चेंट ट्रॉफी में पहली हार

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव



पटना। पहली पारी में महज 66 रन पर सिमटने के बाद बिहार की टीम मुकाबले में वापसी की कोशिश तो करती रही, लेकिन पंजाब के मजबूत प्रदर्शन के सामने उसकी सारी मेहनत नाकाफी साबित हुई। विजय मर्चेंट ट्रॉफी अंडर-16 के एलीट ग्रुप ई मुकाबले में पंजाब ने बिहार को एक पारी और 120 रन से करारी शिकस्त दी। शनिवार को मैच के तीसरे और अंतिम दिन बिहार की दूसरी पारी 193 रन पर समाप्त हो गई। गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स कॉर्पोरेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में बिहार की पहली पारी महज 66 रन पर ढेर हो गई थी। इसके जवाब में पंजाब ने छह विकेट पर 379 रन बनाकर पारी घोषित कर दी और विशाल बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में बिहार के बल्लेबाजों ने संघर्ष जरूर किया। रिशित ने 34, कप्तान उत्तम भारद्वाज ने 30, सूरज कुमार ने 24, अयान जाकी ने नाबाद 23 और आकाश कुमार ने 20 रन बनाए। लेकिन पंजाब के गेंदबाजों ने बिहार को संभलने का मौका नहीं दिया। सुखमन सहोता, करनवीर और रणविज ने तीन-तीन विकेट झटके। दो मैचों में बिहार के खाते में एक अंक है। पंजाब के आठ अंक हो गए हैं। बिहार का अगला मुकाबला 25 नवंबर से सौराष्ट्र के खिलाफ वडोदरा में होगा।

दिसंबर में सड़कों पर उतरेगी भाकपा ! तीन दिवसीय जेल भरो आंदोलन की तैयारी तेज

आइडियासिटी संवाददाता



बेगूसराय। जनमुद्दों को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी की ओर से आगामी 1, 2 और 3 दिसंबर 2026 को राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन आयोजित किया जाएगा। इसे सफल बनाने के लिए शनिवार को तेघड़ा स्थित कॉमरेड रामेश्वर सिंह स्मारक भवन में अंचल परिषद की विस्तारित बैठक हुई। इसमें आंदोलन की रणनीति और कार्यकर्ताओं की भागीदारी पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता किसान नेता दिनेश सिंह ने की। बिहार राज्य परिषद सदस्य कॉमरेड जुलुम सिंह ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से एक दिसंबर को बेगूसराय जिलाधिकारी के समक्ष होने वाले प्रदर्शन में हजारों कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव और पंचायत स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को आंदोलन से जोड़ा जाए। बैठक में वक्ताओं ने जनहित से जुड़े मुद्दों और पार्टी की मांगों को मजबूती से उठाने के लिए संगठनात्मक एकजुटता पर जोर दिया। इस दौरान अंचल मंत्री सनातन प्रसाद सिंह, भोला सिंह, मनी भूषण सिंह, रविन्द्र कुमार सिंह, प्रदीप कुमार, अब्दुस्समद, भूषण सिंह, कंचन किशोर सिंह, प्रिंस कुमार और मो. सिराज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कूच बिहार ट्रॉफी में बिहार की नई टीम तैयार ! पुष्पम राज संभालेंगे कप्तानी, अनमोल कुमार को मिली उपकप्तान की जिम्मेदारी

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव



पटना । बिहार की अंडर-19 क्रिकेट टीम नए सत्र में नई उम्मीदों और इरादों के साथ मैदान पर उतरने को तैयार है। कूच बिहार ट्रॉफी के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। पुष्पम राज को कप्तान और अनमोल कुमार को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में रित्विज राज सिंह, अभिनव सिन्हा, युवराज यादव, प्रियांशु कुमार यादव, अंकित यादव, आशीष पेपल कुमार, अर्जुन सिंह, सत्यम राज, अभिषेक, आर्यन पटेल, आदित्य कुमार, मोहित कुमार, मो. खिजार और अनिमेष राज शामिल हैं। 17 खिलाड़ियों को स्टैंडबाय में रखा गया है। टीम के मुख्य प्रशिक्षक वीर प्रताप सिंह होंगे। आलोक कुमार बल्लेबाजी कोच सह मैनेजर, अमित कुमार ट्रेनर और शहबाज आलम खान फिजियो की जिम्मेदारी संभालेंगे। बीसीए ने सभी चयनित और स्टैंडबाय खिलाड़ियों को 21 नवंबर को कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। खिलाड़ियों को जन्म प्रमाणपत्र, तीन वर्षों की स्कूल मार्कशीट, बोनाफाइड प्रमाणपत्र, आधार, पैन, बैंक पासबुक और कैंसिल चेक सहित जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे।

अब कप्तान पुष्पम राज के सामने युवा खिलाड़ियों को एकजुट कर प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कराने की चुनौती होगी। बिहार की टीम से उम्मीद है कि वह अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर नए सत्र में मजबूत शुरुआत करेगी।

अंतर विश्वविद्यालय ट्रेक साइकलिंग चैंपियनशिप

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव



पटना । साइकिलिंग के ट्रैक पर जब हौसले रफ़्तार से मुकाबला करते हैं, तो कामयाबी की एक नई कहानी जन्म लेती है। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित अंतर विश्वविद्यालय ट्रेक साइकलिंग चैंपियनशिप में छपरा की सुहानी कुमारी ने अपने प्रदर्शन से ऐसी ही एक कहानी लिखी है। तीन स्पर्धाएं, तीन पदक और उनमें एक स्वर्ण पदक... सुहानी की यह उपलब्धि सिर्फ़ उनकी व्यक्तिगत कामयाबी नहीं, बल्कि बिहार की साइकिलिंग के लिए भी गर्व का एक ख़ास लम्हा है। 18 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित इस चैंपियनशिप में सुहानी ने अपनी रफ़्तार, दमखम और प्रतिस्पर्धी क्षमता का शानदार परिचय दिया। चार किलोमीटर टीम परस्यूट स्पर्धा में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का गौरव बढ़ाया। इसके बाद एक किलोमीटर टाइम ट्रायल में कांस्य पदक और 7.5 किलोमीटर स्क्रैच रेस में भी कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह सुहानी ने कुल तीन पदकों के साथ प्रतियोगिता में अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई।

पांच मैच, चार हार और महज एक अंक... बिहार की बेटियों का अंडर-23 टी-20 अभियान निराशाजनक अंत के साथ समाप्त

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव

पटना। पांच मुकाबले, चार हार और खाते में महज एक अंक... बिहार की महिला अंडर-23 टीम का बीसीसीआई टी-20 ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी अभियान निराशाजनक रहा। शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ आखिरी लीग मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। न टॉस हुआ और न ही एक गेंद फेंकी जा सकी। दोनों टीमों को एक-एक अंक बांटना पड़ा।

बिहार को महाराष्ट्र, केरल, झारखंड और हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। आखिरी मुकाबले में कर्नाटक के खिलाफ जीत के साथ अभियान समाप्त करने का मौका था, लेकिन मौसम ने खेल बिगाड़ दिया। पांच मैचों के बाद बिहार के खाते में एक अंक रहा, जबकि कर्नाटक ने नौ अंक हासिल किए। लगातार चार हार ने बिहार की कमजोरियों को उजागर कर दिया। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और मैदान पर रणनीति के क्रियान्वयन को लेकर टीम को आत्ममंथन करना होगा। अंडर-23 क्रिकेट सीनियर स्तर पर पहुंचने की अहम सीढ़ी है। बिहार में प्रतिभाओं की कमी नहीं, लेकिन उन्हें बेहतर तैयारी, मजबूत टीम संयोजन और सही मार्गदर्शन की जरूरत है। इस अभियान की निराशा को सबक बनाकर खिलाड़ियों को अगली प्रतियोगिता में मजबूत वापसी करनी होगी।

गांव के स्कूल को मिला 'मॉडल' वाला सम्मान

पीएम मोदी ने किया भवन का उद्घाटन, बच्चों के सपनों को मिली नई उड़ान

आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय। गांव के बच्चों की पढ़ाई अब पुराने ढर्रे पर नहीं, बल्कि नए भवन और बेहतर सुविधाओं के साथ होगी। तेघड़ा प्रखंड के गौरा स्थित सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल के नवनिर्मित तीन मंजिला भवन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल लोकार्पण किया। इस ऐतिहासिक पल के गवाह विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं भी बने, जिन्होंने ऑनलाइन जुड़कर प्रधानमंत्री का कार्यक्रम देखा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मॉडल स्कूल परिकल्पना के तहत गौरा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल घोषित किया गया था। इसी योजना के तहत उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के संचालन के लिए नए भवन का निर्माण कराया गया है। अब ग्रामीण बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। विद्यालय परिसर में



लोकार्पण के दौरान उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम में अभियंता नीतीश कुमार, प्रधानाध्यापिका रंजू कुमारी, शिक्षक संघ के प्रखंड सचिव रवि कुमार, नोडल शिक्षक अविनाश कुमार सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे। सभी ने उम्मीद जताई कि नया भवन शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बच्चों के भविष्य को संवारने में अहम भूमिका निभाएगा।

नीतीश सेतु पर सियासी संग्राम : तेजस्वी ने उठाया नामकरण का सवाल, बीजेपी ने लालू राज को घेरकर किया पलटवार

तेजस्वी बोले- बिहार के पैसे से बना पुल, पीएम सिर्फ शिलापट्ट पर नाम के लिए आ रहे

बीजेपी ने कहा- केंद्र की मंजूरी से मिली एडीबी फंडिंग, आंशिक उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करने में फर्क

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। गंगा पर बन रहे विकास के पुल पर अब राजनीति की लहरें भी तेज हो गई हैं। कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल, जिसे अब नीतीश सेतु के नाम से जाना जा रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों राष्ट्र को समर्पित किए जाने से पहले ही राजनीतिक बयानबाजी का केंद्र बन गया है। एक तरफ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पुल के निर्माण, उद्घाटन और नामकरण को लेकर सरकार पर सवालों की बौछार कर दी, तो दूसरी तरफ भाजपा ने इसे बिहार के विकास से जुड़ा ऐतिहासिक प्रोजेक्ट बताते हुए राजद के शासनकाल पर पलटवार किया है। शिलापट्ट पर किसका नाम, पुल का श्रेय किसे और नामकरण किसकी सहमति से हुआ? इन सवालों ने गंगा के पुल को सियासी अखाड़े में बदल दिया है।

तेजस्वी का आरोप- बिहार के पैसे से बना पुल, पीएम सिर्फ नाम के लिए आ रहे

तेजस्वी यादव ने पुल के निर्माण में केंद्र सरकार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि इस परियोजना में केंद्र का एक पैसा नहीं लगा है। बिहार सरकार ने अपने संसाधनों और एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) से कर्ज लेकर पुल का निर्माण कराया है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पीएम सिर्फ शिलापट्ट पर अपना नाम दर्ज कराने के लिए आ रहे हैं। तेजस्वी ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 23 जून 2025 को पहले ही पुल का उद्घाटन कर चुके हैं और पिछले 17 महीनों से इस पर गाड़ियों का परिचालन हो रहा है। जब पुल पहले ही जनता के लिए खोल दिया गया है, तो फिर दोबारा उद्घाटन की क्या जरूरत है? उन्होंने परियोजना की शुरुआत का श्रेय भी अपने कार्यकाल को देते हुए कहा कि 31 जनवरी 2016 को इस प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई थी। उस समय वह बिहार के उपमुख्यमंत्री और पथ निर्माण मंत्री थे।

गुरु गोविंद सिंह के नाम पर सेतु की मांग, नीतीश सेतु नाम पर तेजस्वी ने उठाए सवाल

पुल के नामकरण को लेकर तेजस्वी यादव ने सरकार पर एक और राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि गैर-सरकारी संकल्प के माध्यम से उन्होंने पुल का नाम छह्वर राय के नाम पर रखने की मांग की थी। हालांकि, सरकार के शुरुआती लिखित जवाब में इस सेतु का नाम दसवें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी के नाम पर रखने की बात कही गई थी। तेजस्वी ने सवाल उठाया कि जब गुरु गोविंद सिंह जी का जन्मस्थान कच्ची दरगाह और पटना साहिब से जुड़ा है तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उनके अनुयायी हैं, तो फिर उनके नाम पर सेतु का नामकरण क्यों नहीं किया गया? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के जीवित रहते उनके नाम पर पुल का नामकरण करना और गुरु गोविंद सिंह जी के नाम को पीछे करना सरकार की राजनीति को दर्शाता है। तेजस्वी के मुताबिक पटना साहिब में दर्शन के लिए पंजाब सहित देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाला सिख समुदाय भी इस फैसले को देख रहा है।

डीएनए टिप्पणी पर माफी से लेकर पटना विश्वविद्यालय तक, तेजस्वी ने पीएम को दी नसीहत

तेजस्वी यादव ने नामकरण विवाद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने बयानों और बिहार की अन्य मांगों से जोड़ते हुए राजनीतिक तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री वास्तव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान करना चाहते हैं, तो बिहार के डीएनए पर की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगें। साथ ही पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने की नीतीश कुमार की मांग को पूरा करें। तेजस्वी ने ताजपुर-बख्तियारपुर फोरलेन या किसी अन्य केंद्रीय परियोजना का नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखने का सुझाव देते हुए कहा कि सरकार को नामकरण की राजनीति से ऊपर उठकर वास्तविक मुद्दों पर काम करना चाहिए।

बीजेपी का पलटवार- तेजस्वी को आईना देखना चाहिए

तेजस्वी यादव के आरोपों पर भाजपा ने भी जोरदार पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार शर्मा ने कहा कि तेजस्वी यादव को आईना देखना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सेतु का शिलान्यास वर्ष 2015 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था और एशियन डेवलपमेंट बैंक से मिलने वाली फंडिंग केंद्र सरकार की मंजूरी से मिली है। भाजपा प्रवक्ता ने उद्घाटन को लेकर उठाए गए सवालों पर कहा कि पुल को आंशिक रूप से खोलने और पूरी परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करने में अंतर होता है। सरकार अब इस महत्वपूर्ण परियोजना को औपचारिक रूप से देश को समर्पित कर रही है। उन्होंने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल पर हमला बोलते हुए कहा कि उस दौरान गंगा पर एक नया पुल भी नहीं बनाया गया। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जिस परिवार ने 15 साल तक बिहार को जंगलराज और घोटालों में डुबोया, उसी परिवार को आज विकास से घृणा हो रही है। नीरज कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सिर्फ एक पुल नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का द्वार खोल रहे हैं।

विकास का पुल, सियासत की लहर

कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल बिहार के लिए महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजना है। लेकिन उद्घाटन से पहले ही इसके निर्माण का श्रेय, फंडिंग, पहले हो चुके उद्घाटन और नामकरण को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। तेजस्वी यादव जहां बिहार सरकार के संसाधनों और अपने कार्यकाल में परियोजना की शुरुआत का हवाला देकर केंद्र की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं,

वहीं भाजपा इसे केंद्र की मंजूरी, विकास की गति और राष्ट्रीय स्तर पर परियोजना के समर्पण से जोड़ रही है

। गंगा के ऊपर पुल तैयार है, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच श्रेय की लड़ाई अभी थमने के आसार नहीं हैं। उद्घाटन के मंच पर विकास की बात होगी, मगर उसके पहले और बाद में बिहार की राजनीति में नीतीश सेतु का नाम, निर्माण और श्रेय किसे मिले—यह सवाल सियासी बहस को और तेज करने वाला है।

नालंदा में तलवारों की टक्कर से पहले बिहार फेंसिंग संघ की 'कुंडली' खुली : एफएआई ने 7 दिन में मांगा पूरा हिसाब

आइडियासिटी संवाददाता

पटना : बिहार में अंतरराष्ट्रीय फेंसिंग प्रतियोगिता की मेजबानी मिलने के बाद अब बिहार फेंसिंग एसोसिएशन की संगठनात्मक और प्रशासनिक व्यवस्था भारतीय फेंसिंग महासंघ (एफएआई) की जांच के दायरे में आ गई है। महासंघ ने बिहार फेंसिंग एसोसिएशन से उसके गठन, मान्यता, चुनाव, जिला इकाइयों, खिलाड़ियों, खेल उपकरणों, कार्यालय व्यवस्था और पिछले तीन वर्षों के वित्तीय लेखा-जोखा तक का पूरा रिकॉर्ड तलब किया है। इसके लिए महज सात दिनों का समय दिया गया है। भारतीय फेंसिंग महासंघ के महासचिव राजीव मेहता की ओर से 21 नवंबर 2026 को जारी आधिकारिक पत्र में बिहार फेंसिंग एसोसिएशन को निर्देश दिया गया है कि वह तमाम जानकारियां प्रमाणिक दस्तावेजों के साथ उपलब्ध कराए। महासंघ ने स्पष्ट किया है कि यह सामान्य औपचारिकता नहीं, बल्कि राज्य संघ की संस्थागत क्षमता, पारदर्शिता, जवाबदेही और खेल विकास की वास्तविक स्थिति का व्यापक आकलन है।

नालंदा में विश्व कप, बिहार संघ की व्यवस्था पर महासंघ की नजर

बिहार के नालंदा में 22 से 24 जनवरी 2027 तक कैडेट एवं जूनियर पुरुष फॉयल फेंसिंग वर्ल्ड कप का आयोजन प्रस्तावित है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी को बिहार के खेल इतिहास में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। लेकिन आयोजन से पहले भारतीय फेंसिंग महासंघ ने बिहार में फेंसिंग खेल के संचालन और राज्य संघ की कार्यप्रणाली का विस्तृत मूल्यांकन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। महासंघ का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन के साथ-साथ बिहार में फेंसिंग के दीर्घकालिक विकास के लिए राज्य संघ की अद्यतन और सत्यापित जानकारी जरूरी है। इसी आधार पर बिहार सरकार के संबंधित विभागों के साथ समन्वय, सहयोग और आवश्यक सहायता की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी।

चुनाव कब हुआ, कितने जिले जुड़े, कौन चला रहा संघ?

भारतीय महासंघ ने बिहार फेंसिंग एसोसिएशन से सबसे पहले उसकी कानूनी और संगठनात्मक स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। संघ का पंजीकरण प्रमाणपत्र, पंजीकरण संख्या, स्थापना की तारीख, कार्यालय का पता, पैन और संविधान की प्रतियां मांगी गई हैं। इसके अलावा वर्तमान कार्यकारिणी के अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों का विवरण, उनके कार्यकाल और संपर्क नंबर उपलब्ध कराने होंगे। पिछले चुनाव की तारीख, चुनाव प्रक्रिया, निर्वाचक मंडल, चुनाव परिणाम और निर्वाचन पदाधिकारी से संबंधित दस्तावेज भी तलब किए गए हैं। महासंघ ने वार्षिक संबद्धता शुल्क और अन्य सदस्यता दायित्वों की स्थिति का भी हिसाब मांगा है।

जिला संघों की भी होगी पड़ताल

बिहार में फेंसिंग खेल का विस्तार आखिर कितने जिलों में है और जिला संघ वास्तव में काम कर रहे हैं या सिर्फ कागजों पर हैं, इसकी जानकारी भी महासंघ को देनी होगी। राज्य संघ को बिहार के सभी जिलों की सूची के साथ संबद्ध जिला फेंसिंग संघों की संख्या, पंजीकरण विवरण, संबद्धता की तारीख, अध्यक्ष और सचिव के नाम, कार्यालय का पता तथा संपर्क विवरण उपलब्ध कराना होगा। इसके साथ सक्रिय, निष्क्रिय और गैर-कार्यशील जिला संघों की अलग-अलग संख्या बताने का निर्देश दिया गया है। यानी जिला स्तर पर फेंसिंग की गतिविधियों और संगठनात्मक नेटवर्क की वास्तविक स्थिति भी अब रिकॉर्ड के आधार पर जांची जाएगी।

खिलाड़ियों का आंकड़ा भी मांगा, कितने तलवारबाज मैदान में?

बिहार में फेंसिंग के कितने खिलाड़ी वास्तव में पंजीकृत हैं, कितने प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं और कितने खिलाड़ियों के पास भारतीय फेंसिंग महासंघ का वैध लाइसेंस है, इसका पूरा डेटाबेस मांगा गया है। खिलाड़ियों की संख्या महिला और पुरुष वर्ग में अलग-अलग, आयु वर्ग के अनुसार और फेंसिंग की तीन विधाओं फॉयल, एपी तथा साबरे के हिसाब से उपलब्ध करानी होगी। खिलाड़ियों के वैध एफएआई लाइसेंस और एनएसआरएस आईडी की संख्या भी बतानी होगी। इससे राज्य में फेंसिंग खिलाड़ियों की वास्तविक संख्या और खेल की पहुंच का आकलन किया जा सकेगा।

तलवारें, फेंसिंग मशीन और खेल उपकरणों का भी हिसाब

महासंघ ने बिहार फेंसिंग एसोसिएशन के पास उपलब्ध खेल उपकरणों की पूरी सूची मांगी है। इसमें राज्य संघ और जिला संघों के पास उपलब्ध उपकरणों का अलग-अलग विवरण देना होगा। कितने फेंसिंग उपकरण उपलब्ध हैं, उनकी स्थिति क्या है, कहां रखे गए हैं और किस स्तर पर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता के लिए संसाधन उपलब्ध हैं, इसकी जानकारी स्टॉक रजिस्टर और संबंधित दस्तावेजों के साथ देनी होगी।

कार्यालय से लेकर कंप्यूटर तक की जानकारी तलब

महासंघ ने संघ के कार्यालय की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए हैं। पंजीकृत और वास्तविक संचालन वाले कार्यालय का पता, कार्यालय स्वामित्व या किराये की स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं और कर्मचारियों की संख्या बतानी होगी। कार्यालय में कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, स्कैनर, इंटरनेट, आधिकारिक ईमेल और वेबसाइट उपलब्ध हैं या नहीं, इसकी जानकारी भी मांगी गई है। खिलाड़ियों के पंजीकरण, पत्राचार, दस्तावेजों के रखरखाव, उपकरणों के स्टॉक और प्रशासनिक रिकॉर्ड के डिजिटल प्रबंधन की व्यवस्था का भी ब्योरा देना होगा।

तीन साल का वित्तीय हिसाब, ऑडिट रिपोर्ट भी मांगी

इस पत्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बिहार फेंसिंग एसोसिएशन की वित्तीय व्यवस्था से संबंधित है। भारतीय महासंघ ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों के ऑडिटेड वित्तीय विवरण, बैलेंस शीट, आय-व्यय विवरण और ऑडिटर की जानकारी मांगी है। इसके साथ बैंक खाते, आय के स्रोत, सरकारी अनुदान, प्रायोजन, खेल उपकरणों की खरीद पर खर्च और अनुदान के उपयोग से संबंधित प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने होंगे। यदि कोई ऑडिट लंबित है, अनुदान का पैसा खर्च नहीं हुआ है, वित्तीय देनदारी बाकी है या वैधानिक अनुपालन में कमी है, तो उसका भी खुलासा करना होगा।

जानकारी छिपाई तो हो सकती है कार्रवाई

महासंघ ने बिहार फेंसिंग एसोसिएशन को निर्देश दिया है कि सभी जानकारियां संबंधित प्रमाणपत्र, चुनाव रिकॉर्ड, जिला संबद्धता दस्तावेज, खिलाड़ी डेटाबेस, उपकरण स्टॉक रजिस्टर, प्रतियोगिता रिपोर्ट, तस्वीरों और वित्तीय दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत की जाएं। अध्यक्ष और महासचिव को संयुक्त रूप से प्रमाणित करना होगा कि दी गई जानकारी सही, पूर्ण और संघ की वास्तविक स्थिति को दर्शाती है। जिस सुविधा या जानकारी का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, उसे कारण सहित 'निल' या 'उपलब्ध नहीं' घोषित करना होगा। महासंघ ने चेतावनी दी है कि अधूरी जानकारी देने, निर्धारित समय में दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने अथवा महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रमाणित नहीं कर पाने की स्थिति में मामला सक्षम प्राधिकरण के समक्ष रखा जा सकता है। संबद्धता नियमों और लागू प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई भी की जा सकती है।

विश्व कप की मेजबानी के बीच बड़ा प्रशासनिक इम्तिहान

नालंदा में अंतरराष्ट्रीय फेंसिंग वर्ल्ड कप के आयोजन की तैयारियों के बीच बिहार फेंसिंग एसोसिएशन के लिए भारतीय महासंघ का यह पत्र एक बड़ा प्रशासनिक इम्तिहान माना जा रहा है। अब सात दिनों के भीतर संघ को अपनी संगठनात्मक संरचना से लेकर वित्तीय पारदर्शिता और खेल गतिविधियों तक का पूरा रिकॉर्ड पेश करना होगा। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी बिहार के लिए गौरव का अवसर है, लेकिन महासंघ के इस कदम ने राज्य में फेंसिंग खेल के विकास, जिला इकाइयों की सक्रियता, खिलाड़ियों की संख्या और संघ की कार्यप्रणाली को लेकर एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है—बिहार में फेंसिंग का खेल वास्तव में कितना मजबूत है और उसके संचालन की जमीनी हकीकत क्या है? आने वाले दिनों में बिहार फेंसिंग एसोसिएशन की ओर से प्रस्तुत दस्तावेज इस सवाल का जवाब तय करेंगे।

नालंदा में फर्जी प्रमाणपत्र पर नौकरी करने वाले शिक्षकों की खैर नहीं, अप्रैल तक होगी प्रमाण पत्र की जांच

विभाग ने डीईओ को फर्जी नियुक्ति, और प्रमाण पत्र पर एफआईआर करने का दिया आदेश

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के सरकारी स्कूलों में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी कर रहे शिक्षकों की अब मुश्किलें बढ़ सकती हैं। शिक्षा विभाग ने ऐसे शिक्षकों की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। विभाग के नए आदेश के बाद नालंदा जिले में भी शिक्षकों की नियुक्ति से जुड़े संदिग्ध मामलों की जांच की जाएगी। इसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्धारित प्राथमिकता के आधार पर जांच और कार्रवाई शुरू करने को कहा गया है। पूरी प्रक्रिया 30 अप्रैल 2027 तक पूरी करनी है। शिक्षा विभाग के निदेशक (प्रशासन) विजय कुमार पांडेय ने 21 नवंबर को इस संबंध में सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र जारी किया है। इसमें फर्जी शिक्षक नियुक्ति के मामलों को चार श्रेणियों में बांटकर जांच करने का निर्देश दिया गया है। इनमें फर्जी नियुक्ति, दूसरे व्यक्ति की पहचान पर नौकरी करना, अमान्य संस्थान से प्रमाणपत्र प्राप्त करना और मान्य संस्थान के नाम पर कूटरचित प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी हासिल करना शामिल है।

प्रमाणपत्र से लेकर मेधा सूची तक की होगी जांच

निर्देश के अनुसार, नालंदा में भी संदिग्ध शिक्षकों के नियुक्ति संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन कराया जाएगा। इसमें नियुक्ति वर्ष, विज्ञापन संख्या, चयन प्रक्रिया, मेधा सूची, नियुक्ति पत्र, योगदान से संबंधित अभिलेख और शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की जांच होगी। प्रधानाध्यापक, प्रधान शिक्षक और विद्यालय अध्यापकों के प्रमाणपत्रों का संबंधित संस्थानों से सत्यापन कराने को भी कहा गया है।

फर्जी पाए जाने पर सेवा समाप्ति और प्राथमिकी

जांच में नियुक्ति के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता नहीं मिलने पर सक्षम प्राधिकार के नियमानुसार सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कूटरचित प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी पाने का मामला प्रथम दृष्टया प्रमाणित होने पर संबंधित शिक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। विभाग ने फर्जी नियुक्ति और प्रतिरूपण के मामलों में भी नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

जांच और कार्रवाई के लिए तय की समय-सीमा

विभाग ने जिला स्तर पर जांच की प्राथमिकता भी निर्धारित की है। पहले न्यायालय के आदेश के आधार पर सेवा में बने रहने वाले शिक्षकों के मामलों की जांच होगी। इसके बाद निगरानी जांच में चिह्नित फर्जी नियोजन इकाइयों, अमान्य संस्थानों के प्रमाणपत्र और अन्य संदिग्ध नियुक्तियों की पड़ताल की जाएगी। विभागीय कार्रवाई में सुनवाई, दस्तावेजों के निरीक्षण और जांच प्रतिवेदन के लिए भी अलग-अलग समय-सीमा तय की गई है। सभी मामलों में अंतिम कार्रवाई 30 अप्रैल 2027 तक पूरी करने का निर्देश दिया गया है।

खेत की मेड़ के विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, दो लोग घायल

आइडियासिटी संवाददाता

गिरियक। खेत की मेड़ को लेकर उपजे विवाद में शनिवार को रूपसपुर गांव में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में दोनों पक्षों के लोग घायल हो गए। मारपीट के दौरान एक व्यक्ति का सिर फट गया, जबकि दूसरे का हाथ टूट गया। घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार, रूपसपुर गांव निवासी राधे पासवान और पप्पू पासवान के बीच खेत की मेड़ को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। शनिवार को इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। इस दौरान राधे पासवान का सिर फट गया, जबकि उनके पिता का हाथ टूटने की बात सामने आई है। वहीं, इस मारपीट में पप्पू पासवान के भी घायल होने की जानकारी मिली है। घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए पावापुरी अस्पताल ले जाया गया। वहीं, मामले को लेकर पावापुरी थाना में आवेदन दिया गया है। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने के बाद मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेत की मेड़ और जमीन की सीमा को लेकर होने वाले विवाद अक्सर हिंसक रूप ले लेते हैं। समय रहते ऐसे मामलों का समाधान नहीं होने से आपसी रंजिश बढ़ती है और छोटी-सी बात मारपीट तक पहुंच जाती है।

रुपये के विवाद में रिश्तों का कत्ल! पत्नी पर सहयोगियों संग पति की पीट-पीटकर हत्या का आरोप

25 लाख रुपये को लेकर चल रहा था विवाद,पति की मौत के बाद पत्नी फरार

आइडियासिटी संवाददाता

नूरसराय। रुपये के विवाद में रिश्तों के कत्ल का सनसनीखेज मामला सामने आया है। नूरसराय थाना क्षेत्र के अंबानगर मोहल्ले में पत्नी पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पति की लाठी-डंडों से पिटाई कर हत्या करने का आरोप लगा है। गंभीर रूप से जख्मी 45 वर्षीय राजेश कुमार की शुक्रवार की देर रात पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई। पति की मौत की खबर मिलते ही आरोपित पत्नी घर छोड़कर फरार हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजनों का आरोप है कि करीब 25 लाख रुपये मिलने के बाद से ही पति-पत्नी के बीच इस रकम को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद ने शुक्रवार की शाम हिंसक रूप ले लिया और मारपीट में युवक की जान चली गई। परिवार के सदस्यों के अनुसार, युवक को हाल ही में करीब 25 लाख रुपये मिले थे। इस रकम को लेकर पत्नी लगातार उससे रुपये की मांग कर रही थी। वहीं, युवक को आशंका थी कि पत्नी रुपये लेकर अपने मायके वालों को दे देगी और उसके साथ नहीं रहेगी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर कहासुनी होती रहती थी। परिजनों ने बताया कि पत्नी और बेटी पहले से ही उसे छोड़कर दूसरी



जगह रह रही थीं। 25 लाख रुपये मिलने की जानकारी होने के बाद रुपये को लेकर दबाव और बढ़ गया था। परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार की शाम भी रुपये को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस दौरान पत्नी के मायके पक्ष के कुछ लोग भी गांव पहुंच गए। इसके बाद पति-पत्नी के बीच कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते मामला बढ़ गया। आरोप है कि पत्नी ने अपने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से पति की पिटाई कर दी। हमले में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मारपीट की जानकारी मिलने पर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे पटना रेफर कर दिया। वहां शुक्रवार की देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि युवक गोलीबारी के एक मामले में आरोपित था। इस मामले में वह करीब ढाई महीने तक जेल में रहा था। जमानत पर रिहा होने के बाद वह गांव लौटा था। इसके बाद से ही मिले 25 लाख रुपये को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। परिजनों ने आशंका जताई है कि रुपये के लालच में ही पत्नी ने सहयोगियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि शनिवार की सुबह परिवार वालों ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गांव पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। फिलहाल आरोपित पत्नी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। पत्नी की गिरफ्तारी के बाद घटना में शामिल अन्य लोगों और विवाद के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

हाइवा की टक्कर से स्कॉर्पियो चालक समेत दो की मौत, चार जख्मी

तिलक समारोह में शामिल होने पटना जा रहा था परिवार, एक घायल की हालत गंभीर

आइडियासिटी संवाददाता

नगरनौसा। नगरनौसा थाना क्षेत्र के तीना गांव मोड़ के समीप शनिवार को हाइवा ट्रक और स्कॉर्पियो के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग जख्मी हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। मृतकों की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के मेयार गांव निवासी खेमकरण महतो उर्फ मालिक के 68 वर्षीय पुत्र बृजनंदन प्रसाद और राजकिशोर प्रसाद के 32 वर्षीय पुत्र अविनाश कुमार के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में बृजनंदन प्रसाद के 45 वर्षीय पुत्र अजित कुमार, उनकी 31 वर्षीय पत्नी सीमा सिन्हा, 17 वर्षीय पुत्री पीहू कुमारी और तनुज कुमार की सात वर्षीय पुत्री पलक कुमारी शामिल हैं। अजित कुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है।

परिजनों ने बताया कि सभी लोग बिहारशरीफ के बड़ी पहाड़ी निवासी अशोक कुमार सिन्हा की पुत्री के तिलक समारोह में शामिल होने के लिए अपने पैतृक गांव मेयार से पटना जा रहे थे। इसी दौरान नगरनौसा थाना क्षेत्र के तीना गांव मोड़ के पास हाइवा ट्रक ने उनकी स्कॉर्पियो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो सवार सभी लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। स्कॉर्पियो चला रहे अविनाश कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बृजनंदन प्रसाद ने बिहारशरीफ सदर अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार में शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गईं। नगरनौसा थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त हाइवा ट्रक को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।



कृषि मेले को भव्य और आकर्षक बनाने में जुटा विभाग, लगेंगे 40 स्टॉल

उत्पादों की बेहतर साज-सज्जा और बिक्री के लिए किसानों को दिए गए टिप्स

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी राजगीर में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राजगीर महोत्सव को लेकर सभी विभागों की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में कृषि मेले को भव्य और आकर्षक बनाने की तैयारी भी तेज कर दी गई है। इसे लेकर जिला कृषि पदाधिकारी नितेश कुमार ने शनिवार को अपने कार्यालय में स्टॉल संचालकों के साथ समीक्षा बैठक की। कृषि मेले में कुल 40 स्टॉल लगाए जाएंगे। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी ने स्टॉल संचालकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही मेले में स्टॉलों को आकर्षक बनाने और उत्पादों की बेहतर बिक्री के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि स्टॉल संचालक अपने उत्पादों का बेहतर ढंग से प्रदर्शन करें। स्टॉल भरा-पूरा, व्यवस्थित और आकर्षक दिखना चाहिए। उसकी साज-सज्जा जितनी बेहतर होगी, ग्राहकों का ध्यान उतना ही अधिक आकर्षित होगा। प्रज्ञा कृषक हित समूह, तिलैया राजगीर के अध्यक्ष वीर अभिमन्यु सिंह से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आप खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। आपके पास मशरूम पापड़, मशरूम का अचार, आम का अचार, आंवले का अचार, आंवले का मुरब्बा, ओल का गाजी और नारियल के लड्डू सहित कई उत्पाद हैं। इनकी अलग-



अलग बिक्री के साथ छोटे-छोटे उपहार पैक भी तैयार करें। उन पर मूल्य टैग लगाएं और मूल्य सूची के साथ विशेष छूट एवं ऑफर की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। हर उत्पाद के पास छोटा-सा मूल्य टैग या कॉम्बो ऑफर का बोर्ड जरूर रखें, ताकि ग्राहक बिना किसी झिझक के उत्पाद की कीमत जान सकें। उप निदेशक कृषि अभियंत्रण अभिमन्यु कुमार ने सुझाव दिया कि मेज पर सभी सामान एक ही सतह पर बिखेरने के बजाय छोटे बक्से, लकड़ी के स्टैंड या सीढ़ीनुमा रैक का इस्तेमाल करें। इससे पीछे रखे उत्पाद भी दूर से आसानी से दिखाई देंगे। उप निदेशक कृषि धन्नजय सिंह ने कहा कि स्टॉल के सबसे ऊपर या आंखों के स्तर पर बड़े और स्पष्ट अक्षरों में ब्रांड का नाम एवं मुख्य उत्पाद का नाम लिखें, ताकि भीड़ के बीच से ही लोगों का ध्यान आकर्षित हो सके।

भूमि संरक्षण के सहायक निदेशक भूदेव राणा ने कहा कि भुगतान के लिए क्यूआर कोड का स्टैंड सामने रखें। साथ ही इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप से जुड़ने के लिए भी क्यूआर कोड लगाएं, ताकि ग्राहक मेले के बाद भी उत्पादों की जानकारी प्राप्त कर सकें। जिला उद्यान पदाधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि स्टॉल संचालकों का व्यवहार सबसे महत्वपूर्ण है। कुर्सी पर बैठने या मोबाइल चलाने के बजाय खड़े होकर मुस्कुराते हुए आने-जाने वाले लोगों का अभिवादन करें और उनसे संवाद स्थापित करें। बैठक में प्रज्ञा कृषक हित समूह, तिलैया राजगीर, गंगा मधु कृषक हित समूह, थरथरी, जीतसू फर्म, ड्रैगन फ्रूट, नगरनौसा सहित विभिन्न कृषक समूहों एवं संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राजगीर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मना गुरु नानक देव जी का 558वां प्रकाश पर्व

शबद-कीर्तन, गुरुवाणी पाठ, अरदास और अटूट लंगर में उमड़े श्रद्धालु

आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर। विश्वप्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक नगरी राजगीर में शनिवार को सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी महाराज का 558वां प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक शीतल कुंड में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, पटना साहिब एवं सिख संगत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में शबद-कीर्तन, गुरुवाणी पाठ, अरदास और अटूट लंगर के माध्यम से प्रेम, सेवा, समानता और मानवता का संदेश दिया गया। देश-विदेश एवं राज्य के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरी राजगीर नगरी गुरुमय हो उठी। तीन दिवसीय श्री अखंड पाठ की समाप्ति के बाद हजूरी रागी जत्था के भाई जगत सिंह, रागी जत्था के भाई जोगिंदर सिंह तथा हजूरी कथा वाचक ज्ञानी चरणजीत सिंह ने गुरु नानक देव जी के जीवन, व्यक्तित्व और आध्यात्मिक विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल 1469 को तलवंडी (वर्तमान ननकाना साहिब, पाकिस्तान) में मेहता कालू एवं माता तृप्ता के घर हुआ था। उन्होंने अपने उपदेशों के माध्यम से ईश्वर की एकता, मानव समानता, सदाचार और सेवा का संदेश पूरी दुनिया को दिया। रागी जत्थों ने 'सतगुरु नानक प्रकटया, मिट धुंध जग चानन होआ...' सहित



अनेक भक्तिमय शबदों का गायन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अरदास के बाद श्रद्धालुओं के बीच कड़ा प्रसाद एवं अटूट लंगर वितरित किया गया। गुरु नानक मिशनरी सेंटर के संयुक्त सचिव भाई त्रिलोक सिंह निषाद ने कहा कि गुरु नानक देव जी अपनी उदासी यात्रा के दौरान वर्ष 1506 में राजगीर पधारे थे। इस दृष्टि से राजगीर की धरती उनके आध्यात्मिक संदेशों से जुड़ी ऐतिहासिक एवं पावन भूमि है। उन्होंने समाज को एकता, समरसता, बंधुत्व, सौहार्द और सेवाभाव का मार्ग दिखाया। उनकी शिक्षाएं संपूर्ण मानव जाति के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। ग्रंथी भाई मंजीत सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी का मूल संदेश 'नाम जपो, कीरत करो और वंड छको' था। अर्थात ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी और परिश्रम से आजीविका अर्जित करो तथा अपनी कमाई दूसरों के साथ बांटकर खाओ। भाई सरदार वीर सिंह ने कहा कि प्रकाश पर्व की सार्थकता तभी है, जब हम गुरु जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। समारोह के दौरान अनुमंडल समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी राजगीर सहित बाबा गुरुविंदर सिंह (कारसेवा बाल लीला गुरुद्वारा), सुमित सिंह कलसी तथा कबीर मठ, राजगीर निचली बाजार के आचार्य ब्रजेश मुनि महंत को प्रतीक चिह्न एवं सरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम त्रिलोक सिंह निषाद, प्रबंधक हरजीत सिंह एवं प्रबंधक दिलीप सिंह पटेल की देखरेख में संपन्न हुआ। गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी भाई दिलीप सिंह एवं जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह ने अरदास संपन्न कराई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सिख संगत, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। समारोह का समापन विश्वशांति, सामाजिक सद्भाव, मानव कल्याण और सर्वधर्म समभाव की मंगलकामना के साथ हुआ।

एसएलडी-वीएलटीडी के बिना ट्रकों और बसों को नहीं मिल रहा फिटनेस प्रमाणपत्र

सॉफ्टवेयर में तीनों उपकरणों की अनिवार्यता से अटका प्रमाणपत्र

पुराने व्यावसायिक वाहनों के मालिकों की बढ़ी मुश्किलें

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। व्यावसायिक वाहनों में गति सीमा नियंत्रक उपकरण (एसएलडी), वाहन स्थान निर्धारण उपकरण (वीएलटीडी) और उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) की अनिवार्यता से पुराने ट्रक, बस और अन्य व्यावसायिक वाहनों के मालिकों की परेशानी बढ़ गई है। पिछले एक सप्ताह से इन उपकरणों के बिना फिटनेस प्रमाणपत्र बनवाने पहुंच रहे वाहनों को प्रमाणपत्र नहीं मिल पा रहा है। वाहन फिटनेस केंद्र के सॉफ्टवेयर में इन तीनों उपकरणों की जानकारी दर्ज हुए बिना प्रमाणपत्र जारी नहीं हो रहा है। इससे खासकर पुराने व्यावसायिक वाहनों के मालिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रहुई स्थित वाहन फिटनेस केंद्र के संचालक संजीव कुमार निराला ने बताया कि व्यावसायिक वाहनों में तीनों उपकरणों को पूरी तरह अनिवार्य कर दिया गया है। सॉफ्टवेयर में



इनकी जानकारी दर्ज किए बिना वाहन का फिटनेस प्रमाणपत्र जारी नहीं हो पा रहा है। इस कारण पुराने ट्रक और बस मालिकों को भी अपने वाहनों में निर्धारित उपकरण लगवाना जरूरी हो गया है। फिटनेस प्रमाणपत्र नहीं रहने पर वाहनों के परिचालन में भी परेशानी हो सकती है। वहीं, टोल प्लाजा से गुजरने के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। वहीं, नालंदा के मोटरयान निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि नए व्यावसायिक वाहनों में ये तीनों उपकरण पहले से ही लगे रहते हैं। पुराने वाहनों के मालिकों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे अपने वाहनों में हर हाल में निर्धारित उपकरण लगवा लें। ऐसा नहीं करने वाले वाहन मालिकों को फिटनेस प्रमाणपत्र सहित परिवहन विभाग से जुड़ी अन्य सेवाओं का लाभ लेने में परेशानी हो सकती है। उन्होंने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने वाहनों में सभी जरूरी उपकरण लगवा लें, ताकि भविष्य में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।



राजगीर में राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता संपन्न

तीन आयु वर्गों में विजेता टीमों को किया गया सम्मानित



आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर। खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं जिला प्रशासन, नालंदा के संयुक्त तत्वावधान में राज्य खेल परिसर, राजगीर में आयोजित राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल हॉकी अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2026-27 का 21 नवंबर 2026 को भव्य समापन हुआ। 19 से 21 नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न प्रमंडलों एवं एकलव्य बिहार के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन तीनों आयु वर्गों के फाइनल मुकाबले खेले गए। इसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, बेहतरीन तालमेल एवं खेल भावना का परिचय दिया। फाइनल मुकाबलों के बाद विभिन्न आयु वर्गों में विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों की घोषणा की गई।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। अंडर-14 आयु वर्ग में तिरहुत प्रमंडल की टीम विजेता, पटना प्रमंडल की टीम उपविजेता तथा मुंगेर प्रमंडल की टीम तीसरे स्थान पर रही। अंडर-17 आयु वर्ग में पटना प्रमंडल ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि सारण प्रमंडल उपविजेता और कोसी प्रमंडल तीसरे स्थान पर रहा। वहीं, अंडर-19 आयु वर्ग में एकलव्य बिहार की टीम विजेता बनी। पटना प्रमंडल को दूसरा तथा कोसी प्रमंडल को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। समापन समारोह के अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी रवि रंजन एवं रेंसी राकेश राज ने विजेता खिलाड़ियों एवं टीमों को सम्मानित किया। इस दौरान खिलाड़ियों और आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों के बीच उत्साह का माहौल रहा। विजेता एवं उपविजेता टीमों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी गई तथा खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, तकनीक, अनुशासन एवं टीम भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यालय स्तर पर हॉकी खेल को बढ़ावा देने तथा राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

इस अवसर पर जिला खेल कार्यालय के लिपिक मुन्ना कुमार एवं सौरभ कुमार सहित शारीरिक शिक्षक बिपिन कुमार, सूरज कुमार, नवीन कुमार, विभा कुमारी, पूनम कुमारी, कविता किरण, प्रीति कुमारी, ममता कुमारी, सरिता कुमारी, विक्की कुमार, शशिकांत आर्य, मृत्युंजय कुमार, अशोक कुमार एवं गोलू कुमार सहित अन्य शारीरिक शिक्षक उपस्थित रहे। वहीं, प्रतियोगिता के सफल, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित संचालन में तकनीकी पदाधिकारी गौतम कुमार, प्रीति सिंह एवं राजा सिंह राणा सहित अन्य तकनीकी पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बिहार सरकार, खेल विभाग एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण का निरंतर प्रयास है कि राज्य के युवा खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं एवं प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर बिहार का नाम रोशन कर सकें। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। आयोजन समिति ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, तकनीकी अधिकारियों, शारीरिक शिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कथक, शास्त्रीय संगीत और लोकधुनों से सजी नालन्दा महोत्सव की शाम

काशी हिंदू विश्वविद्यालय और नव नालन्दा महाविहार के विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुति



आइडियासिटी संवाददाता

नालंदा। नव नालन्दा महाविहार के 76वें स्थापना दिवस समारोह का प्रमुख आकर्षण संध्या में आयोजित 'नालन्दा महोत्सव' रहा। शाम 6:30 बजे शुरू हुए इस भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से आए कलाकारों तथा नव नालन्दा महाविहार के विद्यार्थियों ने शास्त्रीय संगीत, कथक नृत्य और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के तहत काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मंच कला संकाय के नृत्य विभाग की प्रो. विधि नागर ने रागिनी कल्याण, शिखा रमेश, शिवानी कश्यप एवं सुरैया इस्लाम रिया के साथ कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। प्रस्तुति का शुभारंभ गायत्री मंत्र से हुआ। इसके बाद विश्वनाथाष्टकम् तथा ध्रुपद रचना 'डमरू हर कर बाजे' पर भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने अपनी भाव-भंगिमाओं, लय, ताल और पद संचालन के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की आध्यात्मिकता, भक्ति भावना और कलात्मक उत्कृष्टता को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। इसके बाद काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मंच कला संकाय के गायन विभाग की संगीता पंडित ने शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय संगीत की सुमधुर प्रस्तुति दी। उनके साथ निवेदिता श्याम एवं समयिता पांजा ने गायन में सहयोग किया। वाद्य संगत में डॉ. इंद्रदेव चौधरी ने हारमोनियम, शनीश कुमार ने बांसुरी तथा अमित कुमार ईश्वर ने तबले पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। संगीत कार्यक्रम में दादरा, कजरी, चैती, ठुमरी एवं झूला जैसी पारंपरिक गायन शैलियों की प्रस्तुतियों ने भारतीय संगीत की विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि को जीवंत कर दिया। नव नालन्दा महाविहार के विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। महाविहार के छात्र ओंकार कुमार एवं छात्रा दिव्यांशी आनंद ने गायन प्रस्तुत किया। दिव्यांशु आनंद ने तबले पर संगत की, जबकि सौरभ उपाध्याय ने ढोलक, अविनाश पांडेय ने इलेक्ट्रॉनिक वाद्ययंत्र (की-बोर्ड) तथा सुमन कुमार ने बैंजो वादन से कार्यक्रम को संगीतमय बनाया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को दर्शकों की भरपूर सराहना मिली। दोनों शैक्षणिक संस्थानों के कलाकारों की सहभागिता ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सहयोग की भावना को और मजबूत किया। कार्यक्रम के दौरान नव नालन्दा महाविहार के कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह ने अतिथि कलाकारों को पारंपरिक खादा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कलाकारों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की सराहना भी की। इस भव्य सांस्कृतिक संध्या में महाविहार के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, विद्यार्थी एवं शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए बीएलओ ने बूथों पर चलाया अभियान

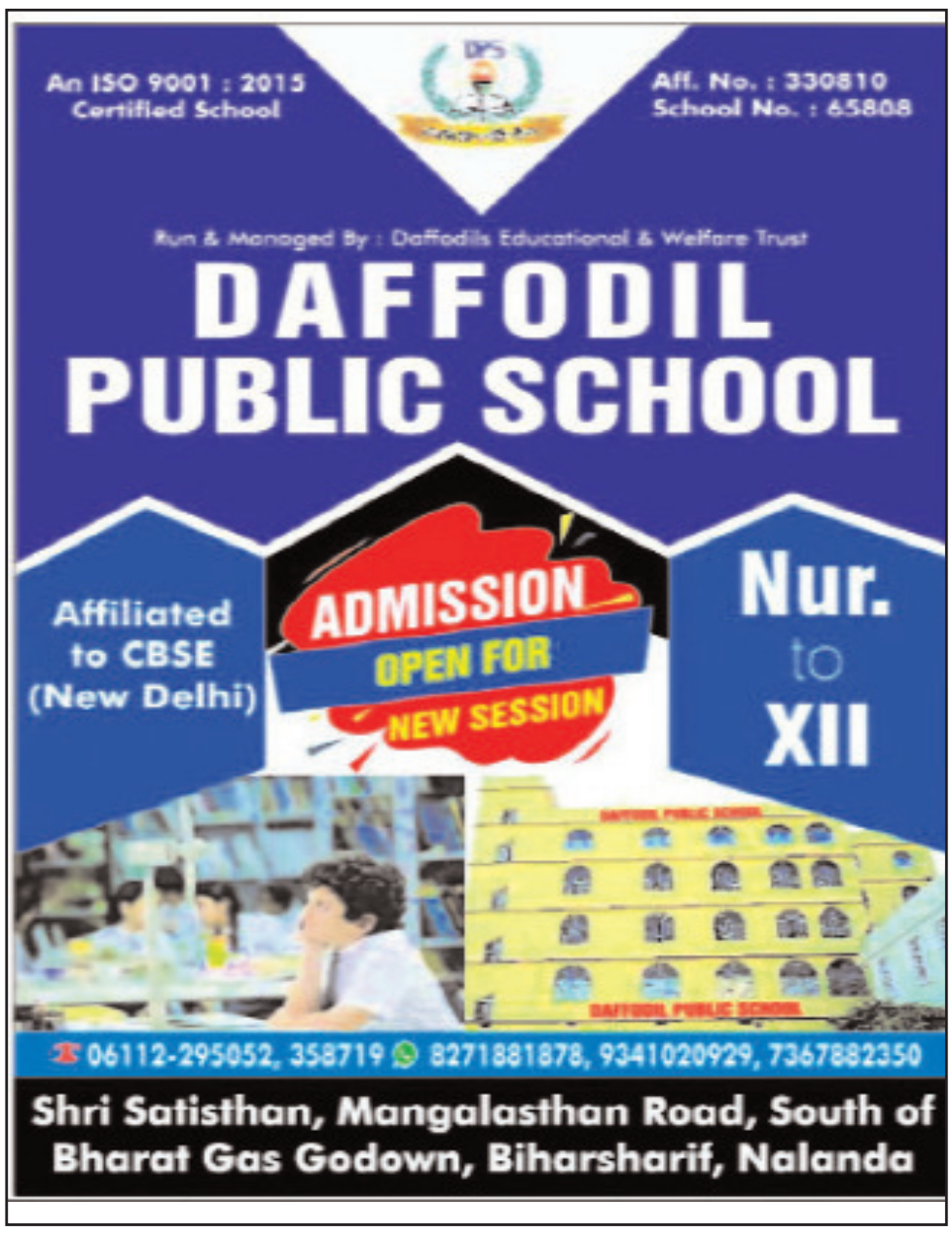
आइडियासिटी संवाददाता



गिरियक । मतदाता सूची को अधिक समावेशी और त्रुटिरहित बनाने की कवायद के तहत शनिवार को गिरियक प्रखंड में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रखंड के सभी 86 मतदान केंद्रों पर बीएलओ ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। मतदाता बनने की पात्रता रखने वाले लोगों ने बूथों पर पहुंचकर नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन जमा किए। अभियान के पहले दिन कुल 103 लोगों ने प्रपत्र-6 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम शामिल करने का आवेदन दिया गया । विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत निर्वाचन विभाग ने 21 और 22 नवंबर को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किया है। इसका मुख्य उद्देश्य नए पात्र मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना और मतदाता सूची में छूटे नामों को शामिल करना है। खासकर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बूथों पर बीएलओ की उपलब्धता से लोगों को आवेदन भरने और पंजीकरण की प्रक्रिया समझने में मदद मिली। अभियान की निगरानी के लिए सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 173 राजगीर-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपेश कुमार ने सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित की। उन्होंने कर्मियों को निर्देश दिया कि मतदाता बनने की पात्रता रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक अभियान की जानकारी पहुंचाएं, ताकि कोई भी नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। रविवार को भी सभी 86 मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान छूटे हुए पात्र नागरिकों से आवेदन लिए जाएंगे। अभियान में अरविंद कुमार, उमाशंकर दीक्षित, खालिद अनवर, सनोज कुमार और शास्त्री कुमार समेत अन्य बीएलओ ने सक्रिय भूमिका निभाई।





राजगीर महोत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में रिया भट्टाचार्य और एमजे-5 मचाएंगे धमाल

28 नवंबर को संगीत और नृत्य का होगा अनूठा संगम

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी राजगीर में आयोजित तीन दिवसीय राजगीर महोत्सव 2026 की अंतिम सांस्कृतिक संध्या संगीत और नृत्य के आकर्षक संगम से सराबोर होगी। 28 नवंबर को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोकप्रिय गायिका रिया भट्टाचार्य और देश के चर्चित नृत्य समूह एमजे-5 अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। इस संध्या का प्रमुख आकर्षण गायिका रिया भट्टाचार्य होंगी। अपनी गायन प्रतिभा और सुरीली आवाज के लिए पहचानी जाने वाली रिया





भट्टाचार्य अपनी संगीतमय प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी। उनकी प्रस्तुति में सुर, संगीत और मनोरंजन का विशेष संगम देखने को मिलेगा।

वहीं, मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान और ऊर्जावान नृत्य शैली के लिए चर्चित एमजे-5 नृत्य समूह भी दर्शकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस समूह ने अपने बेहतरीन तालमेल, आधुनिक नृत्य शैली और विशिष्ट प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभर में पहचान बनाई है। समूह की प्रस्तुतियों में पॉपिंग, लॉकिंग, मूनवॉक सहित विभिन्न आधुनिक नृत्य शैलियों का अनूठा समन्वय देखने को मिलता है। उनकी ऊर्जावान प्रस्तुति और शानदार मंच प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण होगा। उल्लेखनीय है कि राजगीर महोत्सव का आयोजन 26 से 28 नवंबर 2026 तक किया जा रहा है। महोत्सव के माध्यम से बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कला, संगीत और पर्यटन को व्यापक पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए यह महोत्सव देश की विविध कलात्मक विधाओं को एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है।

जिला प्रशासन की ओर से जिलेवासियों, पर्यटकों एवं संगीत प्रेमियों से अपील की गई है कि वे राजगीर महोत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में शामिल होकर कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लें और इस सांस्कृतिक उत्सव का हिस्सा बनें।

जमीन विवाद में प्राथमिकी, फायरिंग, मारपीट व आभूषण छीनने का आरोप

आइडियासिटी संवाददाता

थरथरी। थरथरी थाना क्षेत्र के रूपन बिगहा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। एक पक्ष की बबीता देवी ने आरोप लगाया है कि 18 नवंबर की रात करीब नौ बजे जमीन विवाद को लेकर गांव के कई लोग उनके घर के पास पहुंचकर गाली-गलौज करने लगे। आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की और सोने की कानबाली व गलसूत्र छीन लिया। महिला ने कपड़े खींचकर अभद्र व्यवहार करने और हथियार से फायरिंग कर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। इस मामले में दस लोगों को आरोपी बनाकर थाने में आवेदन दिया है। वहीं, दूसरे पक्ष की पिंकी देवी ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग उनके घर पर चढ़कर फायरिंग करने लगे और जमीन छोड़ने की धमकी देते हुए कहा कि जमीन नहीं छोड़ने पर गोली मार देंगे। उन्होंने आठ लोगों को नामजद किया है। दोनों पक्षों के आरोपों के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हालांकि, दोनों पक्षों के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

सड़क किनारे से 40 लीटर अवैध देसी शराब बरामद, दो वारंटी गिरफ्तार

आइडियासिटी संवाददाता

इसलामपुर। इसलामपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के इचहोस गांव के पास सड़क किनारे छापेमारी कर 40 लीटर अवैध देसी चुलाई शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि इचहोस गांव के पास सड़क किनारे किसी शराब कारोबारी ने शराब छिपाकर रखी है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने बताए गए स्थान पर छापेमारी की, जहां से 40 लीटर अवैध देसी चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस शराब कारोबारी की पहचान कर उसके विरुद्ध आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। वहीं, दूसरी ओर इसलामपुर थाना पुलिस ने अलग-अलग गांवों में छापेमारी कर दो वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पटनविगहा गांव से वारंटी रामप्रीत केवट तथा गुलाबनगर गांव से वारंटी संतोष यादव को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में हिलसा भेज दिया गया।

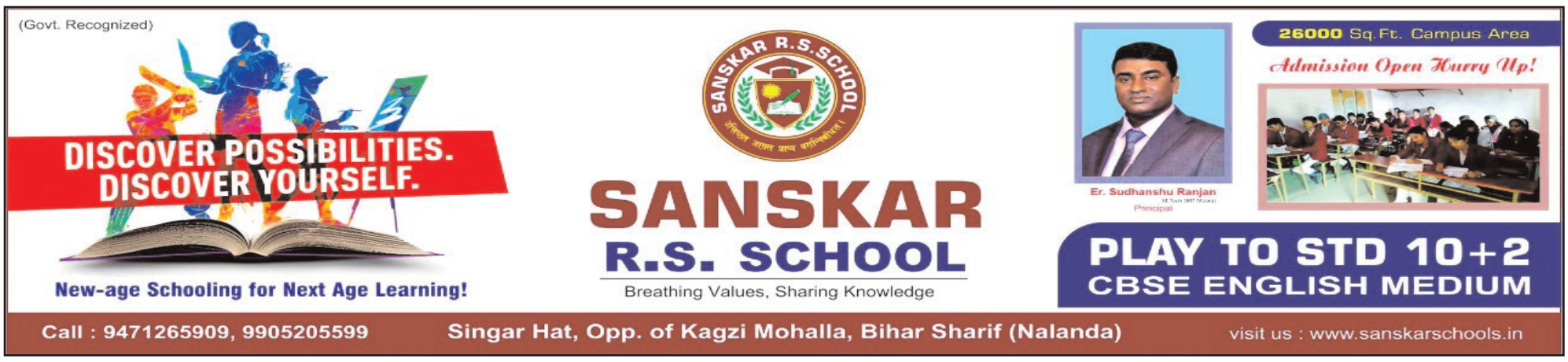
सोते समय सांप ने काटा, व्यक्ति की हुई मौत

आइडियासिटी संवाददाता

इसलामपुर। खुदागंज थाना क्षेत्र के पनहर गांव में सर्पदंश से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान पनहर गांव निवासी ललन कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि ललन कुमार अपने घर के कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान सोए अवस्था में सांप ने उन्हें डस लिया। घटना के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए खुदागंज स्थित एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। वहां चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। ललन कुमार की अचानक मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था। इस घटना से गांव में भी शोक का माहौल छा गया।





पटना में खाद्य प्रतिष्ठान पर छापा! 14 बोरी आटा जब्त, 105 किलो चेरी और 10 किलो ब्रेड कूड़ेदान में

14 दिन में सुधार नहीं तो लाइसेंस होगा सस्पेंड

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। पटना में खाद्य सुरक्षा के नाम पर चल रहे कारोबार की हकीकत एक छापेमारी में सामने आई है। जगदेव पथ स्थित Moreish Foods Limited में खाद्य संरक्षा विभाग की टीम पहुंची तो साफ-सफाई से लेकर खाद्य सामग्री के रखरखाव तक कई खामियां मिलीं। कार्रवाई में 23,100 रुपये मूल्य का 14 बोरी आटा जब्त किया गया, जबकि 105 किलो टूटी-फ्रूटी (चेरी) और 10 किलो ब्रेड नष्ट करा दी गई। 21 नवंबर को हुई इस छापेमारी के दौरान टीम ने पैडी सॉल्ट, लेमन येलो फूड कलर, तंदूरी आटा और मल्टीग्रेन ब्रेड के नमूने भी जांच के लिए संग्रहित किए। निरीक्षण में प्रतिष्ठान का फर्श टूटा मिला, कर्मचारियों के शौचालय में गंदगी थी और सभी कर्मियों के मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट भी उपलब्ध नहीं थे। खाद्य सामग्री के भंडारण में फर्स्ट इन, फर्स्ट आउट (FIFO) नियम का पालन भी नहीं किया जा रहा था। इन खामियों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सुधारात्मक नोटिस जारी किया गया है। प्रतिष्ठान को 14 दिनों में कमियां दूर करनी होंगी और 15वें दिन प्रमाण देना होगा। ऐसा नहीं करने पर खाद्य लाइसेंस निलंबित और आगे रद्द भी किया जा सकता है। सवाल यह है कि लोगों की थाली तक पहुंचने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर ऐसी लापरवाही आखिर कब तक चलेगी?

सोनपुर मेले में इस बार शाही ठाठ! 3000 में फाइव स्टार जैसी सुविधा

900 से शुरू होगा पटना से टूर पैकेज : सीएम सम्राट चौधरी रविवार को करेंगे आगाज

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। सोनपुर मेले में इस बार सिर्फ पशुओं का बाजार और ग्रामीण संस्कृति का रंग ही नहीं, पर्यटकों के लिए शाही ठाठ का इंतजाम भी होगा। फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाओं वाले राजवाड़ी टेंट में ठहरने से लेकर एसी गाड़ी में मेले की सैर तक, पर्यटन विभाग ने खास तैयारी की है। विश्वप्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले का शुभारंभ रविवार, 22 नवंबर को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता करेंगे। एक महीने तक चलने वाले मेले में छह स्वीस कॉटेज बनाए गए हैं। देसी पर्यटकों के लिए किराया 3000 रुपये प्रतिदिन और विदेशी पर्यटकों के लिए 5000 रुपये प्रतिदिन होगा। डबल बेड और अटैच बाथरूम वाले इन टेंटों में आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। पटना से सोनपुर के लिए 900 रुपये से एकदिवसीय टूर पैकेज शुरू किया गया है। वहीं दो लोगों के लिए दो दिन-एक रात का फैमिली पैकेज 5200 रुपये में उपलब्ध होगा। इसमें एसी वाहन, गाइड, ठहरने, नाश्ते और भोजन की सुविधा शामिल है। मेले में सांस्कृतिक पंडाल, आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज और पर्यटक सूचना केंद्र भी तैयार किए गए हैं। प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पर्यटकों की सहायता के लिए गाइड तैनात रहेंगे। बुकिंग और जानकारी: 222.bstdc.bihar.gov.in बार सवाल सिर्फ सोनपुर मेला देखने का नहीं, बल्कि राजवाड़ी अंदाज में इसका आनंद लेने का भी है!

गोवा फिल्म फेस्टिवल में छाया बिहार का जलवा, फिल्मकारों को भा रही राज्य की लोकेशन



आइडियासिटी संवाददाता

पटना। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI)-2026 के दूसरे दिन वेव्स फिल्म बाजार में बिहार पवेलियन आकर्षण का केंद्र बना रहा। यहां पहुंचे फिल्मकारों और निर्माताओं ने बिहार की फिल्म नीति, शूटिंग लोकेशन और सरकारी अनुदान की प्रक्रिया में खास दिलचस्पी दिखाई। बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम के प्रबंध निदेशक प्रणव कुमार के नेतृत्व में टीम ने फिल्म उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों को राज्य में फिल्म निर्माण की संभावनाओं से अवगत कराया। इस दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार का अंगवस्त्र और मिथिला पेंटिंग भेंटकर स्वागत किया गया। प्रणव कुमार ने रामोजी फिल्म सिटी के प्रबंध निदेशक विजेश्वरी के साथ बिहार में फिल्म सिटी निर्माण की संभावनाओं पर चर्चा की और निवेश के लिए आमंत्रित किया। वहीं, ब्रिटेन के पूर्व सांसद और डॉक्यूमेंट्री निर्माता एरिक ओलरेंशॉ ने बिहार की अनछुई लोकेशन एक्सप्लोर करने की इच्छा जताई। IMPPA के अध्यक्ष अभय सिन्हा और महासचिव निशांत उज्ज्वल ने भी बिहार फिल्म नीति की सराहना की। निशांत उज्ज्वल ने फिल्म निर्माताओं से बिहार में शूटिंग की अपील करते हुए अपनी अगली फिल्म भी यहीं शूट करने की इच्छा जताई। चार्ल्स स्टुअर्ट थॉमसन ने कहा कि बिहार की विविध भौगोलिक खूबसूरती की बेहतर ब्रांडिंग जरूरी है। पवेलियन में कई अन्य फिल्मी हस्तियों ने भी पहुंचकर राज्य की संभावनाओं की जानकारी ली।

नालंदा को मिली 11.55 करोड़ की स्वास्थ्य सौगात, प्रधानमंत्री मोदी ने 7 परियोजनाओं का किया उद्घाटन

कतरीसराय में 6.96 करोड़ से बना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पांच प्रखंडों में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट तैयार

आइडियासिटी संवाददाता



बिहारशरीफ। नालंदा जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सात नई परियोजनाएं जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 21 नवंबर को इन स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। कुल 11.55 करोड़ रुपये की लागत वाली इन योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की उम्मीद है। बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय नालंदा से मिली जानकारी के अनुसार, इन परियोजनाओं में कतरीसराय का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सबसे बड़ी योजना है। इसका निर्माण 6.96 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। वहीं, इस्लामपुर प्रखंड के लारनपुर में 2.69 करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया है। इसमें स्टाफ क्वार्टर, चहारदीवारी और पहुंच पथ की सुविधा भी शामिल है। इसके अलावा हरनौत, एकंगरसराय, गिरियक, बिंद और इस्लामपुर में 48-48 लाख रुपये की लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (BPHU) स्थापित की गई हैं। इन सात परियोजनाओं के शुरू होने से जिले के अलग-अलग प्रखंडों में स्वास्थ्य सुविधाओं का आधारभूत ढांचा मजबूत होगा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है। अब इन नई सुविधाओं का वास्तविक लाभ मरीजों तक कितनी तेजी और प्रभावी ढंग से पहुंचता है, यह इनके नियमित संचालन और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

जेपी गंगा पथ पर दिखेगी बिहार की साइकिलिंग प्रतिभा, 9 प्रमंडलों के 200 खिलाड़ी लगाएंगे रेस

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। राजधानी के जेपी गंगा पथ पर रविवार से साइकिलिंग का रोमांच देखने को मिलेगा। बिहार के नौ प्रमंडलों और एकलव्य बिहार के करीब 200 बालक-बालिका खिलाड़ी राज्य स्तरीय विद्यालय साइक्लिंग प्रतियोगिता में अपनी रफ्तार और दमखम दिखाएंगे। 24 नवंबर तक चलने वाली इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। खेल विभाग, बिहार और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला प्रशासन पटना की ओर से वार्षिक खेल कार्यक्रम 2026-27 के तहत इसका आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय विद्यालय साइक्लिंग प्रतियोगिता के लिए बिहार टीम में चयनित किया जाएगा। जिला खेल पदाधिकारी जयनारायण कुमार ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षक और टीम प्रभारी भी शामिल होंगे। दूसरे जिलों से आने वाले खिलाड़ियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था पाटलिपुत्र खेल परिसर स्थित खेल छात्रावास में की गई है। यह प्रतियोगिता राज्य के उभरते साइकिलिस्टों को अपनी प्रतिभा साबित करने का बड़ा मंच देगी। जेपी गंगा पथ पर होने वाली रेस में खिलाड़ियों की नजर सिर्फ पदक पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व करने के मौके पर भी रहेगी।

"Learning the practical value of knowledge"
NALANDA VIDYA MANDIR
(A Unit of Magadh Educational Society)
Affiliated to C.B.S.E., New Delhi
N.H.-20, Patasang, P.O.: Amba, P.S.- Bhaganbigha, Dist.: Nalanda, State: Bihar-803119
Mob.: 9570230951, 9570230966, 9835630966
Email: nalandavidyamandir@yahoo.in | Website: www.nvm.edu.in
Come enroll with us and get plugged into the world...!!!
Class Nur. to 10+2
- We develop whats already inside you.
- Co-Education. Wi-Fi Campus.
- Ultra Modern and anti Earthquake Building.
- Transport facility.
- Experienced team of teachers.
- Cashless Fee Deposit facility.
- Multimedia Classroom and Library.
- Advance Science & Computer Lab.
- Medical Facility.
- Spacious Playground for Games & Sports.
- Preparation of competitive Exam from Class-IX.
ADMISSION OPEN 2026



गुरुकुल विद्यापीठ
10+2
गुरूकुल सेवायतन न्यास द्वारा संचालित





राजेन्द्र प्रसाद
प्रधानाध्यापक
पटेल उ.वि. बिहारशरीफ
सहायक शिक्षक
आदर्श उ.वि. बिहारशरीफ



आवासीय सुविधा से युक्त अत्याधुनिक छात्रावास
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं के अंतर्गत छात्राओं को विशेष छूट
- पटेल नगर, नईसराय, बिहारशरीफ (नालन्दा) मोबाइल - 9835473199
- जगदेव नगर, गाजीपुर, बिन्द (नालन्दा) मोबाइल - 7479559755
www.gurukulvidyapeeth.co | email: gurukulvidyapeethschool@gmail.com